विद्या -भवन ,बालिका विद्यापीठ, लखीसराय
नीतू कुमारी,कक्षा तृतीय, विषय -सह शैक्षणिक गतिविधि दिनांक -23-04-2021. एन.सी.ई आर टी पर अधारित

गौरैया और घमंडी हाथी की कहानी |
दिए ,गए ,कहानी को पूरे मनोयोग से पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें|

एक पेड़ पर एक चिड़िया अपने पति के साथ रहा करती थी। चिड़िया सारा दिन अपने घऑसले में बैठकर अपने अंडे सेती रहती थी और उसका पति दोनऑ के लिए खाने का इंतजाम करता था। वो दोनऑ बहुत खुश थे और अंडे से बच्चऑ के निकलने का इंतजार कर रहे थे।

एक दिन चिड़िया का पति दाने की तलाश में अपने घऑसलें से दूर गया हुआ था और चिड़िया अपने अंडऑ की देखभाल कर रही थी। तभी वहां एक हाथी मदमस्त चाल चलते हुए आया और पेड़ की शाखाओं को तोड़ने लगा। हाथी ने चिड़िया का घऑसला गिरा दिया, जिससे उसके सारे अंडे फूट गए। चिड़िया को बहुत दुख हुआ। उसे हाथी पर बहुत गुस्सा आ रहा था। जब चिड़िया का पति वापस आया, तो उसने देखा कि चिड़िया हाथी द्वारा तोड़ी गई शाखा पर बैठी रो रही है। चिड़िया ने पूरी घटना अपने पति को बताई, जिसे सुनकर उसके पति को भी बहुत दुख हुआ। उन दोनऑ ने घमंडी हाथी को सबक सिखाने का निर्णय लिया।

वो दोनऑ अपने एक दोस्त कठफोड़वा के पास गए और उसे सारी बात बताई। कठफोड़वा बोला कि हाथी को सबक मिलना ही चाहिए। कठफोड़वा के दो दोस्त और थे, जिनमें से एक मधुमक्खी थी और एक मेंढक था। उन तीनऑ ने मिलकर हाथी को सबक सिखाने की योजना बनाई, जो चिड़िया को बहुत पसंद आई।

अपनी योजना के तहत सबसे पहले मधुमक्खी ने हाथी के कान में गुनगुनाना शुरू किया। हाथी जब मधुमक्खी की मधुर आवाज में खो गया, तो कठफोड़वे ने आकर हाथी की दोनऑ आखें फोड़ दी। हाथी दर्द के मारे चिल्लाने लगा और तभी मेंढक अपने परिवार के साथ आया और एक दलदल के पास टर्रटराने लगा। हाथी को लगा कि यहां पास में कोई तालाब होगा। वह पानी पीना चाहता था, इसलिए दलदल में जाकर फंसा। इस तरह चिड़िया ने मधुमक्खी, कठफोड़वा और मेंढक की मदद से हाथी से बदला ले लिया।

कहानी से सीख – बच्चऑ, इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि एकता और विवेक का उपयोग करके बड़ी से बड़ी मुसीबत को हराया जा सकता है।